चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	30.8.26	3	1-4

सिटी एंकर

हकृवि में बैठक, 5 जिलों के कृषि अधिकारियों ने किया मंथन

खरीफ सीजन में सामान्य से कम बारिश, धान में बौना रोग और कपास में गुलाबी सुंडी का प्रकोप

भास्कर न्यूज | हिसार

खरीफ सीजन में धान में विषाणु जनित बौना रोग और कपास में गुलाबी सुंडी का प्रकोप तो है लेकिन बीते साल के मुकाबले यह कम है। कम बारिश में खरीफ फसलों की स्थिति और आगामी रबी सीजन की रणनीतियों पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विस्तार से मंथन हुआ।

एचएयू के हिसार जोन की क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार एडवाइजरी कमेटी की बैठक सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में आयोजित की गई। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में हिसार, भिवानी, जींद, फतेहाबाद और सिरसा जिलों के कृषि अधिकारियों तथा विवि के वैज्ञानिकों ने भाग लिया। बैठक में रबी की फसल गेहूं, चना, सरसों, जौ, जई, बरसीम सहित खरीफ की कपास, धान, बाजरा एवं मूंग की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। धान के बौना रोग नियंत्रण में, कपास में सफेद मक्खी, तेले व चुरड़े की समस्या हकृवि अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने धान में बौना रोग की स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में रहने पर संतोष व्यक्त किया और डॉ. राकेश चुघ के नेतृत्व में पौध रोग विभाग द्वारा की गई सक्रिय निगरानी की सराहना की। कृषि अधिकारियों ने फील्ड रिपोर्ट में बताया कि जहां गुलाबी सुंडी और बौना रोग का असर कम रहा, वहीं कुछ इलाकों में धान में पत्ता लपेट सुंडी और कपास में सफेद मक्खी, तेले व चुरड़े की समस्या सामने आई है, जिस पर वैज्ञानिक निगरानी बनाए हुए हैं।

बैठक में उपस्थित अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग व अन्य अधिकारी

कम पानी वाली फसलों की सिफारिश

बैठक में आगामी रबी फसलों के बेहतर उत्पादन के लिए वैज्ञानिकों ने अहम तकनीकी सुझाव दिए गए। गेहूं विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं फार्म निदेशक डॉ. ओपी बिश्नोई ने अगेती बिजाई के लिए गेहूं की डब्ल्यूएच 1270, डीबीडब्ल्यू 303, डीबीडब्ल्यू 327 व पीबीडब्ल्यू 872 और कम पानी वाले क्षेत्रों के लिए डब्ल्यूएच 1142 व डब्ल्यूएच 1402 किस्मों के चयन की सलाह दी। डॉ. राम अवतार ने सरसों की समय पर बिजाई, संतुलित सिंचाई और कीट प्रबंधन के उपाय बताए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	30.8.26	4	7-8

बैठक में रबी व खरीफ फसलों की समस्याओं पर मंथन

बैठक में कृषि फसलों की समस्याओं पर चर्चा करते कृषि विज्ञानी व अधिकारी।

जासं ● हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के हिसार जोन की क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार एडवाइजरी कमेटी की बैठक सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में हुई। बैठक की अध्यक्षता अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने की। इसमें भिवानी, हिसार, जींद, फतेहाबाद और सिरसा जिलों के कृषि अधिकारियों तथा विश्वविद्यालय के विज्ञानियों ने भाग लिया। डा. राजबीर गर्ग ने कहा कि बैठक का उद्देश्य कृषि अधिकारियों के माध्यम से किसानों की समस्याओं को वैज्ञानिकों तक पहुंचाना और उनका समाधान सुनिश्चित करना है। बैठक में गेहूं, चना, सरसों, जौ, जई, बरसीम सहित रबी तथा कपास, धान, बाजरा और मूंग सहित खरीफ फसलों की स्थिति, समस्याओं और समाधान पर चर्चा की गई। उन्होंने धान में बौना रोग की स्थिति नियंत्रण में रहने पर संतोष जताया और पौध रोग विभाग की निगरानी की सराहना की। वरिष्ठ गेहूं विज्ञानी एवं फार्म निदेशक डा. ओपी बिश्नोई ने डब्ल्यूएच 1270, डीबीडब्ल्यू 303, डीबीडब्ल्यू 327 और पीबीडब्ल्यू 872 जैसी अगेती तथा डब्ल्यूएच 1142 और डब्ल्यूएच 1402 जैसी कम पानी वाली गेहूं किस्मों की जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	30.8.26	2	6-8

धान में बौना रोग के नियंत्रित रहने पर संतोष

कृषि संबंधी समस्याओं पर चर्चा कर फसल प्रबंधन के लिए दिए सुझाव

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएस एचएयू) के हिसार जोन की क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति की बैठक शनिवार को हुई।

इसमें खरीफ फसलों की स्थिति पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर रहने और धान में विषाणु जनित बौना रोग का प्रकोप नियंत्रित रहने पर संतोष जताया गया।

किसानों की कृषि संबंधी समस्याओं पर चर्चा कर वैज्ञानिकों ने समाधान और फसल प्रबंधन संबंधी सुझाव दिए। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग की अध्यक्षता में हुई बैठक में भिवानी, हिसार, जींद, फतेहाबाद और सिरसा जिलों के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों ने रबी की गेहूं, चना, सरसों, जौ, जई, बरसीम तथा खरीफ की कपास, धान, बाजरा और मूंग की स्थिति बताई।

एचएयू में बैठक में मौजूद अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग व अन्य अधिकारी। स्रोत : विवि

डॉ. गर्ग ने पौध रोग विभाग की निरंतर निगरानी की सराहना की। अधिकारियों ने बताया कि कपास में गुलाबी सुंडी का प्रकोप कम रहा। हालांकि कुछ क्षेत्रों में धान में पत्ता लपेट सुंडी तथा कपास में सफेद मक्खी, तेले और चुरड़े का प्रकोप देखा गया।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन लाल खीचड़ ने बताया कि प्रदेश के 23 में से करीब 16-17 जिलों में वर्षा सामान्य से कम हुई है और 2 सितंबर तक बारिश की संभावना नहीं है। डॉ. ओपी बिश्नोई ने डब्ल्यूएच 1270, डीबीडब्ल्यू 303, डीबीडब्ल्यू 327, पीबीडब्ल्यू 872 तथा कम पानी वाली डब्ल्यूएच 1142 और डब्ल्यूएच 1402 गेहूं की जानकारी दी।

डॉ. रामअवतार ने सरसों की बुआई, सिंचाई और रोग-कीट प्रबंधन के सुझाव दिए। बैठक में किसान खेत परीक्षणों के परिणाम प्रस्तुत किए गए। डॉ. भूपेंद्र सिंह ने आगामी वर्ष के नए परीक्षणों की जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	30.8.26	12	2-8

बारिश की कमी के बीच हकृवि में फसलों की स्थिति पर मंथन, वैज्ञानिकों ने बताए बचाव के उपाय, 16-17 जिलों में सामान्य से कम हुई बारिश

2 सितंबर तक वर्षा के आसार नहीं धान-कपास में रोग-कीट प्रकोप की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

प्रदेश में सामान्य से कम बारिश के बीच खरीफ फसलों की स्थिति पिछले साल के मुकाबले बेहतर बताई गई है। हालांकि धान और कपास की फसलों में कुछ क्षेत्रों में रोग-कीटों का प्रकोप चिंता का कारण बना हुआ है। इसी को लेकर यहां के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि वैज्ञानिकों और पांच जिलों के कृषि अधिकारियों ने फसलों की मौजूदा स्थिति की समीक्षा करते हुए किसानों को संभावित समस्याओं से बचाने की रणनीति पर मंथन किया। वैज्ञानिकों ने धान, कपास समेत अन्य खरीफ फसलों के साथ आगामी रबी सीजन की तैयारियों को लेकर भी कृषि अधिकारियों को आवश्यक तकनीकी सुझाव दिए। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में आयोजित हिसार जोन की क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार एडवाइजरी कमेटी की बैठक की अध्यक्षता अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने की।

खरीफ फसलों की स्थिति बेहतर

बैठक में गेहूं, चना, सरसों, जौ, जई और बरसीम सहित रबी फसलों तथा कपास, धान, बाजरा और मूंग जैसी खरीफ फसलों की स्थिति पर विस्तार से चर्चा हुई। कृषि अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष खरीफ फसलों की स्थिति पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर है। धान में विषाणु जनित बौना रोग और कपास में गुलाबी सुंडी का प्रकोप अपेक्षाकृत कम रहा है। हालांकि कुछ क्षेत्रों में धान की पत्ता लपेट सुंडी तथा कपास में सफेद मक्खी, तेले और चुरड़े का प्रकोप देखा गया है। धान में बौना रोग की स्थिति नियंत्रण में रहने पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने संतोष जताया। उन्होंने पौध रोग विभाग की ओर से डॉ. राकेश चुघ के नेतृत्व में लगातार की जा रही निगरानी की सराहना की। उन्होंने कहा कि किसानों के खेतों में सामने आने वाली समस्याओं को समय रहते पहचान कर उनका वैज्ञानिक समाधान उपलब्ध करवाना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। क्षेत्रीय स्तर पर कृषि अधिकारियों से मिलने वाली जानकारी अनुसंधान एवं कृषि प्रसार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

हिसार। बैठक में अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग व अन्य अधिकारी।

दो सितंबर तक बारिश होने की कोई संभावना नहीं

मौसम विभाग के अध्यक्ष एवं छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन लाल खीचड़ ने बैठक में मौसम की स्थिति की जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा के 23 जिलों में से करीब 16-17 जिलों में बारिश सामान्य से कम हुई है। उन्होंने कहा कि दो सितंबर तक प्रदेश में बारिश की संभावना नहीं है। ऐसे में किसानों को उपलब्ध नमी और सिंचाई के पानी का प्रबंधन करते हुए कृषि कार्य करने की सलाह दी गई।

कृषि अधिकारियों और वैज्ञानिकों की बैठक

संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने विभिन्न जिलों से पहुंचे कृषि अधिकारियों और वैज्ञानिकों का स्वागत किया। डॉ. भूपेंद्र सिंह ने पिछले वर्ष किसान खेत परीक्षणों के परिणाम प्रस्तुत किए और आगामी वर्ष के लिए प्रस्तावित परीक्षणों को सुनिश्चित किया। बैठक में विश्वविद्यालय के मीडिया सलाहकार डॉ. संदीप आर्य, परियोजना निदेशक डॉ. एसके धनखड़ सहित विभिन्न विभागों के वैज्ञानिक एवं अधिकारी मौजूद रहे।

किसानों को गेहूं और सरसों की वैज्ञानिक सलाह

रबी सीजन को लेकर गेहूं विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं फार्म निदेशक डॉ. ओपी बिश्नोई ने किसानों के लिए उपयोगी किस्मों की जानकारी दी। उन्होंने डब्ल्यूएच-1270, डीबीडब्ल्यू-303, डीबीडब्ल्यू-327 और पीबीडब्ल्यू-872 जैसी अगेती गेहूं किस्मों के अलावा कम पानी वाले क्षेत्रों के लिए डब्ल्यूएच-1142 और डब्ल्यूएच-1402 किस्मों की सिफारिश संबंधी जानकारी साझा की। वहीं डॉ. राम अवतार ने सरसों की बिजाई, सिंचाई और रोग-कीट प्रबंधन को लेकर वैज्ञानिक सुझाव दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	30-8-26	7	1-2

बैठक में उपस्थित अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग व अन्य अधिकारी।

हकृवि में क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार एडवाइजरी कमेटी की बैठक आयोजित

हिसार, 29 अगस्त (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के हिसार जोन की क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार एडवाइजरी कमेटी की बैठक सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने की। डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि बैठक का उद्देश्य किसानों की कृषि संबंधी समस्याओं को कृषि अधिकारियों के माध्यम से वैज्ञानिकों के समक्ष रखना तथा उनका समाधान सुनिश्चित करना है। बैठक में रबी की फसल गेहूं, चना, सरसों, जौ, जई, बरसीम सहित खरीफ की कपास, धान, बाजरा एवं मूंग की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने धान में बौना रोग की स्थिति नियंत्रण में रहने पर संतोष व्यक्त करते हुए डॉ. राकेश चुघ के नेतृत्व में पौध रोग विभाग द्वारा की गई निरंतर निगरानी की सराहना की। गेहूं विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं फार्म निदेशक डॉ. ओ.पी. बिश्नोई ने डब्ल्यूएच 1270, डीबीडब्ल्यू 303, डीबीडब्ल्यू 327 एवं पीबीडब्ल्यू 872 जैसी अगेती तथा डब्ल्यूएच 1142 एवं डब्ल्यूएच 1402 जैसी कम पानी वाली गेहूं किस्मों की जानकारी दी। डॉ. राम अवतार ने सरसों की बिजाई, सिंचाई एवं रोग-कीट प्रबंधन संबंधी सुझाव दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	29.08.2026	-----	----

अनुभवों, भावनाओं एवं ध्यान अवधि को समझने में तकनीकों में विशेषज्ञता रखते हैं। उन्हें शैक्षिक शुरुआत किए जाने के बाद इस क्षेत्र में निरंतर एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रदेश के पांच जिलों के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों ने लिया भाग

हकृवि में क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार एडवाइजरी कमेटी की बैठक आयोजित

समस्त हरियाणा न्यूज

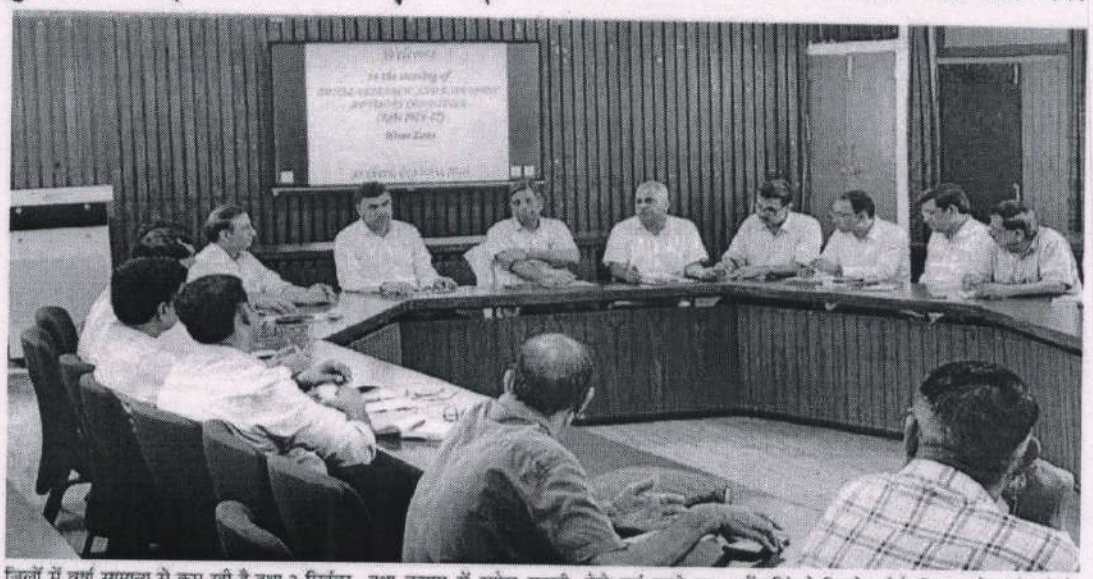

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के हिसार जोन की क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार एडवाइजरी कमेटी की बैठक सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने की। डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि बैठक का उद्देश्य किसानों की कृषि संबंधी समस्याओं को कृषि अधिकारियों के माध्यम से वैज्ञानिकों के समक्ष रखना तथा उनका समाधान सुनिश्चित करना है। बैठक में रबी की फसल गेहूं, चना, सरसों, जौ, जई, बरसीम सहित खरीफ की कपास, धान, बाजरा एवं मूंग की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने धान में बौना रोग की स्थिति नियंत्रण में रहने पर संतोष व्यक्त करते हुए डॉ. राकेश चुघ के नेतृत्व में पौध रोग विभाग द्वारा की गई निरंतर निगरानी की सराहना की। गेहूं विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं फार्म निदेशक डॉ. ओ.पी. बिश्नोई ने डब्ल्यूएच 1270, डीबीडब्ल्यू 303, डीबीडब्ल्यू 327 एवं पीबीडब्ल्यू 872 जैसी अगेती तथा डब्ल्यूएच 1142 एवं डब्ल्यूएच 1402 जैसी कम पानी वाली गेहूं किस्मों की जानकारी दी। डॉ. राम अवतार ने सरसों की बिजाई, सिंचाई एवं रोग-कीट प्रबंधन संबंधी सुझाव दिए। छात्र कल्याण निदेशक एवं मौसम विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन लाल खीचड़ ने बताया कि हरियाणा के 23 जिलों में से लगभग 16-17 जिलों में वर्षा सामान्य से कम रही है तथा 2 सितंबर तक वर्षा की संभावना नहीं है। कृषि अधिकारियों ने बताया कि इसके बावजूद खरीफ फसलों की स्थिति पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर है। इस वर्ष धान में विषाणु जनित बौना रोग तथा कपास में गुलाबी सुंडी का प्रकोप कम रहा, जबकि धान में पत्ता लपेट सुंडी तथा कपास में सफेद मक्खी, तेले एवं चुरड़े का प्रकोप कुछ क्षेत्रों में देखा गया। उपरोक्त संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने भिवानी, हिसार, जींद, फतेहाबाद एवं सिरसा जिलों से आए कृषि अधिकारियों तथा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों का स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. भूपेंद्र सिंह ने पिछले वर्ष के किसान खेत परीक्षणों के परिणाम प्रस्तुत किए तथा आगामी वर्ष के परीक्षण सुनिश्चित किए। बैठक में विश्वविद्यालय के मीडिया सलाहकार डॉ. संदीप आर्य एवं परियोजना निदेशक डॉ. एस.के. धनखड़ सहित अन्य वैज्ञानिक एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

pv

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	29.08.2026	-----	----

रबी व खरीफ फसलों की समस्याओं और समाधान पर वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों ने किया मंथन

बैठक में उपस्थित अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग व अन्य अधिकारी

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के हिसार जोन की क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार एडवाइजरी कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने की। डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि बैठक का उद्देश्य किसानों की कृषि संबंधी समस्याओं को कृषि अधिकारियों के माध्यम से वैज्ञानिकों के समक्ष रखना तथा उनका समाधान सुनिश्चित करना है। बैठक में रबी की फसल गेहूं, चना, सरसों, जौ, जई, बरसीम सहित खरीफ की कपास, धान, बाजरा एवं मूंग की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने धान में बौना रोग की स्थिति नियंत्रण में रहने पर संतोष व्यक्त करते हुए डॉ. राकेश चुघ के नेतृत्व में पौध रोग विभाग द्वारा की गई निरंतर निगरानी की सराहना की।

गेहूं विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं फार्म निदेशक डॉ. ओ.पी. बिश्नोई ने डब्ल्यूएच 1270, डीबीडब्ल्यू 303, डीबीडब्ल्यू 327 एवं पीबीडब्ल्यू 872 जैसी अगेती तथा डब्ल्यूएच 1142 एवं डब्ल्यूएच 1402 जैसी कम पानी वाली गेहूं किस्मों की जानकारी दी। डॉ. राम अवतार ने सरसों की बिजाई, सिंचाई एवं रोग-कीट प्रबंधन संबंधी सुझाव दिए। छात्र कल्याण निदेशक एवं मौसम विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन लाल खीचड़ ने बताया कि हरियाणा के 23 जिलों में से लगभग 16-17 जिलों में वर्षा सामान्य से कम रही है तथा 2 सितंबर तक वर्षा की संभावना नहीं है।

कृषि अधिकारियों ने बताया कि इसके बावजूद खरीफ फसलों की स्थिति पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर है। इस वर्ष धान में विषाणु जनित बौना रोग तथा कपास में गुलाबी सुंडी का प्रकोप कम रहा, जबकि धान में पत्ता लपेट सुंडी तथा कपास में सफेद मक्खी, तेले एवं चुरड़े का प्रकोप कुछ क्षेत्रों में देखा गया। उपरोक्त संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने भिवानी, हिसार, जींद, फतेहाबाद एवं सिरसा जिलों से आए कृषि अधिकारियों तथा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों का स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. भूपेंद्र सिंह ने पिछले वर्ष के किसान खेत परीक्षणों के परिणाम प्रस्तुत किए तथा आगामी वर्ष के परीक्षण सुनिश्चित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	29.08.2026	-----	----

रबी व खरीफ फसलों की समस्याओं और समाधान पर वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों ने किया मंथन

नभ-छोर न्यूज ⏭ 29 अगस्त

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के हिसार जोन की क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार एडवाइजरी कमेटी की बैठक सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने की। डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि बैठक का उद्देश्य किसानों की कृषि संबंधी समस्याओं को कृषि अधिकारियों के माध्यम से वैज्ञानिकों के समक्ष रखना तथा उनका समाधान सुनिश्चित करना है। बैठक में रबी की फसल गेहूं, चना, सरसों, जौ, जई, बरसीम सहित खरीफ की कपास, धान, बाजरा एवं मूंग की स्थिति पर चर्चा की गई। उन्होंने धान में बौना रोग की स्थिति नियंत्रण में रहने पर संतोष व्यक्त करते हुए डॉ. राकेश चुघ के नेतृत्व में पौध रोग विभाग द्वारा की गई निरंतर निगरानी की सराहना की। गेहूं विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं फार्म निदेशक डॉ. ओपी बिश्नोई ने डब्ल्यूएच 1270, डीबीडब्ल्यू 303, डीबीडब्ल्यू 327 एवं पीबीडब्ल्यू 872 जैसी अगेती तथा डब्ल्यूएच 1142 एवं डब्ल्यूएच 1402 जैसी कम पानी वाली गेहूं किस्मों की जानकारी दी। डॉ. राम अवतार ने सरसों की बिजाई, सिंचाई एवं रोग-कीट प्रबंधन संबंधी सुझाव दिए। छात्र कल्याण निदेशक एवं मौसम विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन लाल खीचड़ ने बताया कि हरियाणा के 23 जिलों में से लगभग 16-17 जिलों में वर्षा सामान्य से कम रही है तथा 2 सितंबर तक वर्षा की संभावना नहीं है। कृषि अधिकारियों ने बताया कि इसके बावजूद खरीफ फसलों की स्थिति पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर है। इस वर्ष धान में विषाणु जनित बौना रोग तथा कपास में गुलाबी सुंडी का प्रकोप कम रहा, जबकि धान में पत्ता लपेट सुंडी तथा कपास में सफेद मक्खी, तेले एवं चुरड़े का प्रकोप कुछ क्षेत्रों में देखा गया। उपरोक्त संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने भिवानी, हिसार, जींद, फतेहाबाद एवं सिरसा जिलों से आए कृषि अधिकारियों तथा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों का स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. भूपेंद्र सिंह ने पिछले वर्ष के किसान खेत परीक्षणों के परिणाम प्रस्तुत किए तथा आगामी वर्ष के परीक्षण सुनिश्चित किए। बैठक में विश्वविद्यालय के मीडिया सलाहकार डॉ. संदीप आर्य एवं परियोजना निदेशक डॉ. एसके धनखड़ सहित अन्य वैज्ञानिक एवं अधिकारी उपस्थित रहे।